IIM में इनोवेशन इन द ब्रिक्स पब्लिक सेक्टर पर तीन दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस शुरू

क्लाइमेट चेंज, महामारी और आर्थिक असमानताओं को दूर करने सभी देशों में एकजुटता जरूरीः प्रो. जोसे

सिटी रिपोर्टर. रायपुर

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) में बुधवार से इनोवेशन इन द ब्रिक्स पब्लिक सेक्टर सब्जेक्ट पर तीन दिवसीय 6वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस शुरू हुआ। 8 मार्च तक आयोजित इस कॉन्फ्रेंस के पहले दिन ब्राजील से प्रो. जोसे ए पुप्पिम शामिल रहे। उन्होंने वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए राष्ट्रों के बीच सहयोगी प्रयासों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि क्लाइमेट चेंज, महामारी और आर्थिक असमानताओं को पार करने के लिए दुनिया भर के देशों के बीच एकजुट प्रयास की आवश्यकता है। वहीं आईआईएम के डायरेक्टर प्रो. राम कुमार काकानी ने कहा कि किसी भी चीज को यदि अकेले रहकर करना बड़ा चुनौतीपूर्ण होता है।

नागरिकों को सशक्त बनाने का प्रयास

भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग की सचिव श्रीवी श्रीनिवास ने शिकायत निवारण में सुधार करने की बात कही। उन्होंने भारत की घरेलू पहलू और सुधारों पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य नागरिक बोलचाल, शिकायत सुलझाने के तंत्रों को सुधारना और प्रशासनिक कुशलता को बढ़ावा देना है। साथ ही उन्होंने प्रशासनिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता की बात कही। वहीं डिजिटल शक्ति प्रदान करने के लिए डिजिटलीकरण को अपनाने और प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के महत्व के बारे में बताया।

ये है कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य

कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य ब्रिक्स देशों के शिक्षाविदों, सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के नेताओं और दूरदर्शी लोगों को बातचीत में शामिल करने के लिए एकजुट करना है। साथ ही पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन के डेवलपमेंट, डिजिटलीकरण और ब्रिक्स देशों में समृद्धि को बढ़ावा देना है। ब्रिक्स राष्ट्र में भारत, ब्राजील, रूस, चीन और दक्षिण अफ्रीका के सहयोगी प्रयासों से विद्वानों, पॉलिसी मेकर और इंडस्ट्री एक्सपर्ट को इनोवेशन के लिए मार्ग खोजने और वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए एक साथ लाया गया है।

Dainik Bhaskar,07 March 2024,P.02